अध्याय

पंचम

अध्याय पंचम

परिणाम , चर्चा, व्याख्या और शैक्षिक निहितार्थ

5.1.0 परिणाम निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तुत अध्याय मे भोपाल जिले के विद्यालयी कार्यकर्ताओं मे समतामूलक शिक्षा और समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता का अध्ययन के संदर्भ मे प्रयुक्त शोध उपकरणों से प्राप्त कुल आंकड़ों मे सांख्यिकी विश्लेषण व्याख्या एवम निष्कर्ष से प्राप्त विवरणों को कर्मबध एवम संगठित करके निम्न रूप मे प्रस्तुत किया गया है।

- प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम
- प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष
- प्रस्तुत अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ
- भावी शोध अध्ययन हेतु सुझाव
- प्रस्तुत अध्ययन की सीमाएं

5.1.1 प्रस्तुत अध्ययन के परिणाम

अध्ययन के उद्देश्यों के संदर्भ मे शोध आंकड़ों के सांख्यिकी विश्लेषण एवम विस्तृत व्याख्या के पश्चात कई नवीन तथ्य प्रकाश मे आए इन नवीन तथ्यों पर आधारित प्राप्त परिणामों को प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्यों के अनुरूप शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत किया है

❖ **समतामूलक तथा समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता मापनी पर शिक्षकों के प्रतिशत का मान का विश्लेषण इस प्रकार किया गया है -**

कथन 1

प्रस्तुत कथन में 97.5% शिक्षक सहमत 2.5% असहमत है अतः समावेशी शिक्षा के प्रति उनका विद्यालय समर्थन करता है।

कथन 2

प्रस्तुत कथन आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 के तहत 21 प्रकार की दिव्यांगताओं के प्रकारों की बात कही गई हैं में 82.5% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित तथा 12.5% असहमत है अतः शिक्षकों की प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है की शिक्षकों में जागरूकता है।

कथन 3

प्रस्तुत कथन शिक्षकों को समावेशी शिक्षा से संबंधित विधियो के संबंध में विद्यालय प्रबंधन को सुझाव देना चाहिए में 95% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित है अतः इससे पता चलता है की इस कथन में शिक्षकों की जागरुकता है।

कथन 4

प्रस्तुत कथन नियमित कक्षा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शामिल करने के लिए कक्षा में समान रूप से एक प्रभावी समावेशित नीति होनी चाहिए में 95% शिक्षक सहमत 5% असहमत है अतः इससे पता चलता है की इस कथन में शिक्षकों की जागरुकता है।

कथन 5

प्रस्तुत कथन शिक्षकों को विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को सुझाव देना चाहिए में 80% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित 15% असहमत है अतः इस कथन से यह स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 6

प्रस्तुत कथन समावेशी शिक्षा अन्य विद्यार्थियों की शैक्षिक सफलता के स्तर को कम करती है में 22.5% शिक्षक सहमत 17.5% अनिश्चित 60% असहमत है अतः इससे यह स्पष्ट होता है कि समावेशी शिक्षा के बारे में शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 7

प्रस्तुत कथन विद्यालय में शिक्षक को सभी विद्यार्थियों को समान दृष्टि से देखना चाहिए में 92.5% शिक्षक सहमत 2.5% अनिश्चित 5% असहमत है अतः इस कथन से यह स्पष्ट होता है की शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 8

प्रस्तुत कथन जब विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले विद्यार्थी तथा अन्य विद्यार्थी उस कक्षा में साथ – साथ पढ़ते हैं तो दोनों का लाभ होता है में 82.5% शिक्षक सहमत 12.5% अनिश्चित 5% असहमत है अतः इस कथन से यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 9

प्रस्तुत कथन समावेशी कक्षा में सभी विद्यार्थीयों पर ध्यान देना संभव होता है में 62.5% शिक्षक सहमत 25% अनिश्चित 12.5% असहमत है अतः इससे स्पष्ट है की शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 10

प्रस्तुत कथन समावेशी शिक्षा में बच्चों को एक साथ सभी गतिविधियों में भाग लेना चाहिए में 72.5% शिक्षक सहमत 15% अनिश्चित 12.5% असहमत है इससे स्पष्ट है कि शिक्षकों में जागरूकता है।

कथन 11

प्रस्तुत कथन सभी विद्यार्थीयों के लिए अनुशासन एक समान होना चाहिए में 85% शिक्षक सहमत 15% असहमत है अतः इस कथन से स्पष्ट है कि शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता है।

कथन 12

प्रस्तुत कथन कक्षा में सभी विद्यार्थीयों को समूह में कार्य करना चाहिए में 92.5% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित 2.5% असहमत है अतः शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 13

प्रस्तुत कथन विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले शिक्षकों तथा अन्य विद्यार्थियों के सन्दर्भ में शिक्षक का व्यवहार एक समान होना चाहिए में 87.5% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित 7.5% असहमत है अतः इस कथन से स्पष्ट है कि शिक्षकों में जागरूकता है।

कथन 14

प्रस्तुत कथन सामान्य शिक्षकों को विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी उठानी चाहिए में 70% शिक्षक सहमत 17.5% अनिश्चित 12.5% असहमत है अतः इससे स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 15

प्रस्तुत कथन विद्यालय पाठ्यक्रम सभी तरह के विद्यार्थियों की योग्यता के अनुसारबनाना चाहिए में 95% शिक्षक सहमत 2.5% अनिश्चित 2.5% असहमत है इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 16

प्रस्तुत कथन अन्य विद्यार्थियों व शिक्षकों को विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की सहायता करनी चाहिए में 90% शिक्षक सहमत 5% अनिश्चित 5% असहमत है इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 17

प्रस्तुत कथन शिक्षकों को विशेष शैक्षिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को तकनीकी का उपयोग करके

पढ़ाना चाहिए में 90% शिक्षक सहमत 7.5% अनिश्चित 2.5% असहमत है अतः इससे स्पष्ट है कि शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता है।

कथन 18

प्रस्तुत कथन शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना चाहिए में 100% शिक्षक सहमत है अतः इससे स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 19

इस कथन विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को समावेशी शिक्षा के अंतर्गत अन्य विद्यार्थियों के साथ पढ़ाना चाहिए में 72.5% शिक्षक सहमत 12.5% अनिश्चित 15% असहमत है अतः इससे यह स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 20

प्रस्तुत कथन शिक्षक को विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को नियमित कक्षा में विशिष्ट सहायता प्रदान करनी चाहिए में 75% शिक्षक सहमत 7.5% अनिश्चित 17.5% असहमत है अतः इस कथन से स्पष्ट है कि समता मूलक शिक्षा के प्रति शिक्षकों की जागरुकता है।

कथन 21

इस कथन समावेशी शिक्षा से विशेष शैक्षणिक आवश्यकता वाले विद्यार्थियों का आत्मविश्वास कम होता है में 27.5% शिक्षक सहमत 15% अनिश्चित 57.5% असहमत है अतः यह स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 22

प्रस्तुत कथन विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा हेतु अभिभावकों की भागीदारी भी निश्चित होनी चाहिए में 87.5% शिक्षक सहमत 2.5% अनिश्चित 10% असहमत है अतः यह स्पष्ट है कि शिक्षकों में जागरूकता है।

कथन 23

प्रस्तुत कथन विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को कक्षा के अतिरिक्त क्रियाओं में सामान्य रूप से सम्मिलित किया जाना चाहिए में 92.5% शिक्षक सहमत 7.5% असहमत है अतः इससे स्पष्ट है कि समता मूलक के प्रति शिक्षकों की जागरुकता है।

कथन 24

प्रस्तुत कथन विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को कार्यभार भी सामान्य विद्यार्थियों की तरह दिया जाना चाहिए में 60% शिक्षक सहमत 22.5% अनिश्चित 17.5% असहमत है अतः यह स्पष्ट है कि शिक्षकों को जागरूकता है।

कथन 25

प्रस्तुत कथन शिक्षकों का विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के प्रति बर्ताव कक्षा के अन्य विद्यार्थियों की तरह होना चाहिए में 82.5% शिक्षक सहमत 7.5% अनिश्चित 10% असहमत है अतः इससे यह स्पष्ट है कि शिक्षकों में समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता है।

कथन 26

प्रस्तुत कथन शिक्षकों का विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों के प्रति बर्ताव कक्षा के अन्य विद्यार्थियों की तरह होना चाहिए में 87.5% शिक्षक सहमत 7.5% अनिश्चित 5% असहमत है अतः इससे यह स्पष्ट है कि शिक्षकों को समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता है।

❖ शोध प्रश्नों की व्याख्या

सारणी 1

समावेशी शिक्षा के प्रति पुरुष शिक्षकों की जागरुकता अधिक है और कुछ शिक्षकों को अभी भी समावेशी शिक्षा के प्रति जागरूकता नही है।

सारणी 2

समावेशी शिक्षा के प्रति महिला शिक्षिकाओ की जागरुकता अधिक है और कुछ शिक्षिकाओं को जागरूकता नही है।

सारणी 3

समता मूलक शिक्षा के प्रति पुरुष शिक्षकों की जागरुकता अधिक है और कुछ शिक्षकों को जागरूकता अभी भी नही है।

सारणी 4

समता मूलक शिक्षा के प्रति महिला शिक्षिकाओं को जागरूकता अधिक है और कुछ शिक्षिकाओं को अभी भी जागरूकता नही है।

सारणी 5

समावेशी शिक्षा के प्रति प्रशिक्षित शिक्षकों एवम शिक्षिकाओं में महिला शिक्षिकाओं को समावेशी शिक्षा के प्रति जागरुकता अधिक है।

सारणी 6

समावेशी शिक्षा के प्रति अप्रशिक्षित शिक्षकों एवम शिक्षिकाओं में भी महिला शिक्षिकाओं की जागरुकता अधिक है।

सारणी 7

समता मूलक शिक्षा के प्रति प्रशिक्षित शिक्षकों एवम शिक्षिकाओं में महिला शिक्षिकाओं को जागरूकता अधिक है।

सारणी 8

समता मूलक शिक्षा के प्रति अप्रशिक्षित शिक्षकों एवम शिक्षिकाओं में भी महिला शिक्षिकाओं की जागरुकता अधिक है।

5.1.2 प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष

- एक शिक्षक समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के संदर्भ में क्या सोचता है और यदि व शिक्षक मूल्ययुक्त बनता है तो वह अपने शैक्षिक एवं सहशैक्षिक कार्य उत्तम रीति से संपादित करने का प्रयास है यदि विद्यालय का वातावरण शिक्षक के अनुकूल ना हो तो ऐसी स्थिति में वह अपने शैक्षिक कार्यों को पूर्ण रूप से संपादित नहीं कर पाता है जिससे शिक्षक के कार्य संतुष्टि का स्तर अपेक्षाकृत कम हो जाता है अतः विद्यालय का वातावरण उत्तम श्रेणी का होना चाहिए।
- समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति शिक्षक की जागरूकता में अंतर नहीं पाया गया अर्थात समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति विद्यालय के शिक्षक की जागरूकता पर शासकीय विद्यालय में कार्यरत होने में कोई विशेष अंतर नहीं है।
- समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति शिक्षक की जागरूकता में लिंग के आधार पर कोई विशेष अंतर नहीं पाया गया अर्थात समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति शासकीय विद्यालय के शिक्षकों की जागरूकता में महिला शिक्षिकाओं की जागरूकता अधिक पाई गई है।
- समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति प्रशिक्षण और अप्रशिक्षण के आधार पर शिक्षक की जागरूकता में अंतर नहीं पाया गया क्योंकि प्रशिक्षित शिक्षकों की संख्या कम होने के कारण प्रशिक्षित और अप्रशिक्षित शिक्षकों की जागरूकता में अंतर नहीं है।
- यदि शिक्षक मूल्य युक्त है तो वह अपने शैक्षिक एवं सहशैक्षिक कार्य एवं संस्थागत लक्ष्यों के कार्य रूप में निष्पादन के प्रति पूर्ण रूप से कर्तव्य निर्वहन एवं पालन करता है अतः शिक्षकों ने मूल्यग्रहण एवं उसको कर्तव्य निर्वहन का पालन करता है एवं उसको कार्य रूप देने का वातावरण उनके प्रशिक्षण एवं अशिक्षण दोनों स्थितियों में विद्यमान होना चाहिए एक शिक्षक को समावेशी और समतामूलक शिक्षा का अर्थ का ज्ञान होना चाहिए तथा सभी विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में समान अवसर प्राप्त होना चाहिए तथा विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ अन्य क्षेत्र में भी भाग लेना चाहिए।

5.1.3 प्रस्तुत अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ

1. विकास हेतु कार्यरत शिक्षक एवं भावी शिक्षकों को व्यवहारिकता सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए।
2. शिक्षक राष्ट्र निर्माता होता है उसमें विभिन्न प्रकार के मूल्यों का समाहित होना समाज के कल्याण के लिए

पर आवश्यक है अतः वर्तमान समय में शिक्षक प्रशिक्षण संस्थाओं के पाठ्यक्रम में मूल्यों को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया जाए तथा शिक्षक प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकों में उत्पन्न मूल्य का विकास किया जाए।

3. शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना।
4. शिक्षकों के मूल्यों के स्तर उच्च बनाए रखने के लिए शैक्षिक प्रशासन को नवीन शैक्षिक योजनाएं शिक्षक उन्मुखीकरण के कार्यक्रम का क्रियान्वयन किया जाए।
5. शिक्षकों को समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा के प्रति विभिन्न प्रकार के एक्ट और पॉलिसी का अध्ययन कराया जाए।

5.1.4 भावी शोध अध्ययन हेतु सुझाव

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल जिले तक सीमित है अतः भावी शोध अध्ययन को मंडल स्तरीय बड़े भौगोलिक परीक्षेत्र पर विस्तारित किया जा सकता है।
2. प्रस्तुत शोध अध्ययन भोपाल जिले के शासकीय स्कूल को लिया गया है जिसमें समावेशी शिक्षा और समतामूलक शिक्षा की जागरूकता को देखने के लिए विद्यालय कार्यकर्ताओं को सम्मिलित किया गया है।
3. प्रस्तुत शोध में केवल शिक्षकों शिक्षिकाओं तथा प्रधानाचार्य को भी लिया गया है परंतु स्कूल के प्रधानाचार्य को शिक्षकों में सम्मिलित कर दिया गया है।
4. प्रस्तुत शोध में शिक्षकों के मूल्य कार्य एवं जवाबदेही को सम्मिलित किया गया है इसके अतिरिक्त शिक्षकों के व्यक्तित्व से संबंधित कारकों को भावी शोध अध्ययन हेतु सम्मिलित किया जा सकता है।

5.1.5 प्रस्तुत अध्ययन की सीमाएं

1. प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त परिणाम केवल वर्णनात्मक विधि पर आधारित है |
2. प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त परिणाम शोध में सम्मिलित प्रयोज्यो द्वारा प्रदत्त प्रतिक्रिया पर आधारित है।
3. प्रस्तुत अध्ययन में केवल मध्यप्रदेश के भोपाल जिले में दो शासकीय स्कूल के शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है।
4. प्रस्तुत अध्ययन में शासकीय स्कूल के महिला और पुरुष शिक्षकों को सम्मिलित किया गया है।
5. प्रस्तुत अध्ययन में शासकीय स्कूल के प्रशिक्षण प्राप्त और अप्रशिक्षण शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को भी सम्मिलित किया गया है |